SANGAM SKM COLLEGE- NADI

LESSON NOTES

SUBJECT: HINDI **YEAR LEVEL: 11**

Strand	Literature
Sub strand	Poem
Content learning outcome	At the end of this lesson students should be able to understand the poem and identify all the poetic techniques used.

कविता

मानव

मानव

रमेश चन्द

www.hindikibindi.com

पाँच तत्व से बना यह काया
नौ मह गर्व में रहता है,
इस संसार में आकर फिर
वही मानव कहलाता है ।

ईश्वर से जब किया था वादा
कि तेरा ही गुण-गान करेंगे,
बाहर आकर भूल गया
क्या तुम मानव कहलाते हो ?

चोरी, हिंसा, लूट-मारी
निंदा और अपराध,
इन सब से जो परे है रहता
वही मानव कहलाता है ।

धन दौलत और माल खजाना
मरते दम तक ढोता है,
ईर्ष्या द्वेष की भावना जिसमें
वह दानव कहलाता है ।

खाना पीना और जीना
बच्चे पैदा तो पशु भी करते,
गर तुम भी सिर्फ यही करते हो
तो क्या तुम मानव कहलाते हो ?

सुख-शान्ति को जो है चाहता
दुख को देख कर डरे नहीं,
इन दोनों को गले लगाता
वही मानव कहलाता है ।

सब से मिल कर रहता है जो
परोपकारी रहे बने,
चार दिन की जिन्दगानी में
वही मानव कहलाता है ।

कथानक

यह कविता मानव जीवन पर अधारित है । पाँच तत्व से मानव शरीर बना है । संसार में आने से पहले ईश्वर से यही वादा करते हैं कि उन्हें याद करेंगे मगर संसार में आने के बाद किया हुआ वादा भूल जाते हैं और गलत राह श्चोरी, हिंसा, जलन भाव, आदित्त पर चलने लगते हैं ।

रस

इस कविता में करुण रस और अद्‌भुद रस का प्रयोग किया गया है । इस कविता में इस बात का आश्चर्य प्रक किया गया है कि मानव संसार में आकर अपने उद्‌देश्य को भूल कर गलत कार्य करने लगता है ।

उद्‌देश्य

इस कविता का उद्‌देश्य यही है कि हमें चोरी, हिंसा, लूट-मारी, निंदा जैसे अपराध नहीं करने चाहिए। हमें किसी के प्रति जलन-भाव नहीं रखना चाहिए तथा सभी के साथ मिल कर रहना चाहिए । हमें मेहनत करनी चाहिए न कि सिर्फ खाना, पीना और सोना चाहिए । मानव होकर पशु जैसा जीवन नहीं जीना चाहिए ।

प्रश्न

दिए गए प्रश्नों का उत्तर पूरे वाक्यों में लिखिए ।

१. **'पाँच तत्व से बना यह काया'**

इस वाक्यांश का भावार्थ अपनी शब्दों में लिखिए ।

२. तीसरे छंद के जरिए कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

३. कवि के अनुसार मानव कब दानव कहलाता है ?

४. कविता के अनुसार मानव और पशु में क्या अन्तर दिखाया गया है ?

५. **'सुख और दुख हमारे साथी हैं ।' इस उक्ति से आप कहाँ तक सहमत हैं ?**

इसकी व्याख्या अपने शब्दों में कीजिए ।

SANGAM SKM COLLEGE- NADI

LESSON NOTES

WEEK 2

SUBJECT: HINDI **YEAR LEVEL: 11**

Strand	Comprehension
Sub strand	Comprehending and summary writing
Content learning outcome	At the end of this lesson students should be able to comprehend the given passage and summarize accordingly.

प्रश्न १ **बोधन**

इस अंश को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए ।

समय का हमारे जीवन से एक महत्वपूर्ण रिश्ता है । जब मनुष्य का जन्म होता है, तब से समय सदैव उसके साथ बना रहता है । मृत्यु के समय पर ही उसके साथ उसका समय समाप्त होजाता है ।

यद्यपि मनुष्य जन्म लेते हैं और मर जाते हैं, तथापि समय निरंतर अपनी गति से चलता रहता है । वह शान्त, निश्चल भाव से बिना किसी भेद-भाव के निरंतर चलता रहता है ।

समय का कार्य मात्र वर्षों व दिनों को दर्शाने तक सीमित नहीं है । वह यह भी दिखाता है कि आपने अपने जीवनकाल में इसका (समय) सदुपयोग या दुरुपयोग किया है । हमें चाहिए कि हम समय का सदुपयोग करें । हर कार्य को निश्चित समय पर या पहले समाप्त करें ताकि बचे हुए समय में हम अपने अन्य कार्यों को पूरा कर सकें । तालिका बनाकर विभिन्न कार्यों को करने के लिए समय निश्चित करें और उसी कार्य तालिका के अनुसार कार्य को परिपूर्ण करें ।

यदि हम समय को सम्मान देंगे तो बदले में समय उतना ही फल देगा । हमें चाहिए कि हम अपने खाली समय का ऐसा उपयोग करे जिससे वह बर्बाद न होकर हमारे लिए उपयोगी बन जाए । सर्वप्रथम हम ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ सकते हैं । सभाओं, विचार-गोष्ठियों, चित्रकला, संगीत या अन्य कोई कला सीख सकते हैं, पूरक परीक्षा में भाग ले सकते है, बड़ों की मदद हेतु कार्य कर सकते हैं आदि ।

हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए समय की बर्बादी पर रोक । अपने जीवन में हमें समय का पाबंद बनना चाहिए । एक विद्यार्थी के जीवन में समय का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान होता है । उसका एक-एक पल उसके द्वारा व्यवस्थित होना चाहिए । उसे अपने खाने-पीने, खेलने, पढ़ने, सोने आदि के लिए एक तालिका का निर्माण करना आवश्यक है । यदि वह अपने समय को व्यवस्थित न कर यूंही बर्बाद करता रहेगा तो कभी भी अपनी परीक्षा संबंधी तैयारी समय पर समाप्त नहीं कर पाएगा । फलस्वरूप: उसे परीक्षा में असफलता हाथ लगेगी । इसी बात पर रहीम जी ने भी कहा है:

समय लाभ सम लाभ नहीं, समय चूक सम चूक ।
चतुरन चित रहिमन लगी, समय चूक की हूक ॥

अर्थात् वही लोग जीवन में उन्नति व विकास को प्राप्त करते हैं जो अपने समय का मूल्य पहचानते हैं । हमें समय की माँग के अनुसार अपने समस्त कार्यों को पूरा करना चाहिए । एक पल को भी व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए ।

विद्यार्थी काल से ही समय की उपयोगिता पर ध्यान देकर अपने कार्यों को किया जाए तो समय संपूर्ण जीवन में हमारे विपरीत न जाते हुए हमारे समक्ष चलने लगता है । टाटा, विडला, सचिन तेंदुलकर, रोहित बहल, संजीव कपूर, धनराज पिल्लै आदि जैसे अनेकों नाम हैं जिन्होंने समय के सही उपयोग से ही सफलता अर्जित की है ।

एक पेड़ निश्चित समय पर फूल व फल देता है और समय पर उसे गिरा देता है । दूसरी ओर मनुष्य अपने जीवन काल में बचपन, योवन, वृद्धावस्था तक आ जाता है । यह सब समय के होने व उसके व्यतीत होने का प्रमाण है कि समय कभी किसी के लिए नहीं ठहरता बल्कि अपनी गति से चलता रहता है ।

हमें इस बात को सदैव गाँठ बाँधकर रख लेना चाहिए कि गया समय कभी लौटकर नहीं आता । यदि इस बात को स्मरण कर समय का सदुपयोग किया जाए तो सदैव उन्नति व विकास हमारे कदम चूमेगी । "**समय की कद्र**" यही हमारा गुरुमंत्र होना चाहिए । हमें अपने जीवन में समयके महत्व को समझते हुए, इसका उपयोग करना चाहिए ।

प्रश्न

अ. इन प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए ।

१. हम खाली समय को उपयोगी कैसे बना सकते हैं ?

२. विद्यार्थी के लिए कार्य तालिका क्यों आवश्यक है ?

३. पंक्ति २५ में आए कथन 'समय लाभ सम लाभ नहीं, समय चूक सम चूक' की व्याख्या कीजिए ।

४. उन्नति और विकास कब हमारे कदम चूमेंगे ?

५. इस बोधन खण्ड का क्या संदेश है ?

आ. सार लेखन

दिए गए बोधन खण्ड के प्रथम २२ पंक्तियों का सारांश, लगभग ५० शब्दों का, अपने शब्दोंमें लिखिए ।

SANGAM SKM COLLEGE- NADI

LESSON NOTES

WEEK 3

SUBJECT: HINDI **YEAR LEVEL: 11**

Strand	Literature
Sub strand	Drama
Content learning outcome	At the end of this lesson students should be able to understand the content of the drama.

नए मेहमान

एकांकी का सारांश

- विश्वनाथ और रेवती (पति-पत्नी) एक तंग मकान में रहते हैं ।
- भीषण गर्मी में बीमार बच्चो ं को छत पर या आँगन में सोने का स्थान भी नहीं रहता है ।
- रेवती के सिर में दर्द रहता है ।
- कोई नौकरानी टिकती नहीं क्योंकि तीसरी मंजिल तक पानी पहुँचाना पड़ता है ।
- रेवती अपने पति को छत पर सोने को कहती है ।
- इस भीषण गर्मी और तंग मकान में दो अपरिचित मेहमान आते हैं ।
- नन्हेमल और बाबूलाल आते ही अपनी माँगों की सूचि बढ़ाने लगते हैं ।
- खाने, बर्फ वाला पानी पीने, सोने और नहाने की माँग करते हैं ।
- दोनो ं सही-सही पता नहीं बताते है ं ।
- हाथ धोते समय पड़ोसी के छत पर पानी चला जाता है ।
- रेवती सिर में दर्द बढ़ने की शिकायत करती है और मेहमानों के लिए खाना नहीं बनाना चाहती है ।
- बहुत मुश्किल से दोनो ं का सही परिचय मिलता है ।
- पता चलता है कि दोनो ं गलत घर पर आ जाते हैं ।
- विश्वनाथ अपने बेटे को मेहमानों के साथ सही घर दिखाने के लिए भेजता है ।
- वश्वनाथ और रेवती चैन की सास लेते हैं ।
- थोड़ी देर बाद रेवती का भाई आता है ।
- भाई के आने पर र ेवती के सिर का दर्द गायब हो जाता है ।
- भाई के मना करने पर भी रेवती उसके लिए भोजन बनाती है ।

समस्या

गर्मी की समस्या

- पसीने से तर ।
- पंखा का हवा पर्याप्त नहीं है ।
- पानी पीने से भी प्यास नहीं बुझती है ।
- गर्मी के कारण बच्चें ठीक से सो नहीं पाते हैं, बीमार हो जाते हैं ।
- छत पर सोने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है ।
- गर्मी में अपरिचित मेहमानों का आगमन ।

आवास की समस्या

- मकान या रहने की समस्या ।
- मकान छोटा है और छत पर पर्याप्त जगह नहीं है ।
- खोजने पर भी अच्छा और बड़ा घर किराया पर नहीं मिलता है ।
- जो मिलता है तो बहुत ज्यादा किराया माँगता है ।
- गर्मी में मेहमानों को सुलाने की कठिनाई है ।
- तीसरी मंजिल तक पानी ले जाना पड़ता है ।

अतिथि सत्कार की समस्या

- यह एकांकी की मुख्य समस्या है ।
- अपरिचित मेहमानों का आना और खाने-पीने की इच्छा को प्रकट करना ।
- सही पता तथा परिचय न देना ।
- संदेह करना और भोजन न बनाना ।
- सिर में दर्द बढ़ने की शिकायत करना ।
- दो मेहमानों में भेद-भाव करना ।

अभ्यास

प्रश्न

१. पराए मेहमान और अपने मेहमान के प्रति रेवती के भावों में क्या अंतर दिखाई पड़ता है ? इसका कारण स्पष्ट कीजिए ।

२. इस एकांकी में भाई के आगमन पर रेवती की क्या प्रतिक्रिया थी ?

३. एकांकी में अपरिचित मेहमानों के प्रति विश्वनाथ और रेवती के व्यवहार सही या गलत था । क्यों ? चर्चा कीजिए ।